भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2676

मंगलवार, 05 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

व्यापार सुधार कार्य-योजना

2676. श्री शफी परम्बिलः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) व्यापार सुधार कार्य-योजना (बीआरएपी) के अंतर्गत केरल राज्य का वर्तमान रैंक क्या है;

(ख) व्यापार सुधार कार्य-योजना (बीआरएपी) में प्रयुक्त विस्तृत पद्धति क्या है;

(ग) ईज ऑफ डूइंग रैंकिंग और बीआरएपी प्रणाली में क्या अंतर है; और

(घ) बीआरएपी के अंतर्गत नवीनतम मूल्यांकन किस वर्ष किया गया था?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क): उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के संबंध में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग संकलित नहीं करता है। डीपीआईआईटी की व्यवसाय सुधार कार्य योजना (बीआरएपी) कार्य के भाग के रूप में, निर्धारित सुधार मापदंडों के कार्यान्वयन के आधार पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों का निम्नलिखित चार श्रेणियों में प्रतिशत-आधारित मूल्यांकन किया जाता है।

1. 90% से अधिक का स्कोर - टॉप अचीवर्स
2. 80% से 90% के बीच का स्कोर - अचीवर्स
3. 70% से 80% के बीच का स्कोर - फास्ट मूवर्स और
4. 70% से कम का स्कोर - एस्पायरर्स

बीआरएपी 2022 सर्वेक्षण के अंतर्गत केरल सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की श्रेणियों का विवरण निम्नलिखित हैः

वाई श्रेणी **(इसके अंतर्गत स्थापित व्यवसाय और नागरिक-केंद्रित प्रणालियों वाले राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को शामिल किया गया है)**	
बी2जी (व्यवसाय केंद्रित सुधार)	
श्रेणी	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**
फास्ट मूवर	गुजरात
एस्पायरर्स	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, बिहार, गोवा, झारखंड, राजस्थान, असम, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर
सी2जी (नागरिक केंद्रित सुधार)	
श्रेणी	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**
एस्पायरर्स	केरल, गुजरात, तेलंगाना, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तराखंड, हरियाणा, मध्य प्रदेश, ओडिशा, कर्नाटक, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गोवा, बिहार, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, असम, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, पंजाब
एक्स श्रेणी **{इसमें पूर्वोत्तर के राज्य (असम को छोड़कर) और संघ राज्य क्षेत्र (दिल्ली को छोड़कर) शामिल हैं}**	
बी2जी (व्यवसाय केंद्रित सुधार)	
श्रेणी	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**
एस्पायरर्स	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव, त्रिपुरा, चंडीगढ़, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, पुदुच्चेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, अरुणाचल प्रदेश
सी2जी (नागरिक केंद्रित सुधार)	
श्रेणी	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**
एस्पायरर्स	चंडीगढ़, दमन और दीव, मेघालय, अंडमान, त्रिपुरा, पुदुच्चेरी, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर

(ख): व्यवसाय सुधार कार्य - योजना (बीआरएपी) का मूल्यांकन एक सुगठित तीन-चरण वाली पद्धति के माध्यम से किया जाता है, जिसमें साक्ष्य प्रस्तुति, उपयोगकर्ता संबंधी आंकड़े और उपयोगकर्ताओं की स्वतंत्र प्रतिक्रिया शामिल होती है। राज्य और संघ राज्य क्षेत्र, बीआरएपी पोर्टल पर सुधार कार्यान्वयन के साक्ष्य अपलोड करते हैं और डीपीआईआईटी द्वारा, निर्धारित मानदंडों के आधार पर उनका मूल्यांकन किया जाता है। एक निर्दिष्ट अवधि का उपयोगकर्ता डाटा प्रस्तुत किया जाता है जिसका प्रयोग टेलीफोनिक, डिजिटल और आमने-सामने आधार पर प्रतिक्रिया सर्वेक्षण करने में उपयोग के लिए किया जाता है। प्रतिशत स्कोर के आधार पर, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है: टॉप अचीवर्स, अचीवर्स, फास्ट मूवर्स और एस्पायरर्स। बीआरएपी 2022 में, इन श्रेणियों को 100% प्रतिक्रिया के माध्यम से निर्धारित किया गया था। बीआरएपी 2024 में, साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए 30% और उपयोगकर्ता प्रतिक्रिया के लिए 70% वेटेज निर्धारित किया गया।

(ग): विश्व बैंक द्वारा वर्ष 2002 से 2020 तक ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग डूइंग बिजनेस रिपोर्ट के माध्यम से की गई थी। विभिन्न राज्यों में व्यवसायों हेतु निर्धारित विनियामक शर्तों की तुलना करने के लिए वर्ष 2014 में बीआरएपी की परिकल्पना और विकास का कार्य किया गया, ताकि राज्यों को व्यवसायों पर अनुपालन बोझ कम करने के लिए प्रेरित किया जा सके। आरंभिक वर्षों के बाद सभी राज्यों की बीआरएपी रैंकिंग बंद कर दी गई है। विश्व बैंक ने वर्ष 2020 में अपनी डूइंग बिजनेस रिपोर्ट बंद कर दी थी।

(घ): बीआरएपी के तहत नवीनतम मूल्यांकन वर्ष 2022 के लिए आयोजित किया गया था।

******